मृदुल पत्रिका
समाचार पत्र को समस्त
जिलों एवं तहसील-कस्बों
में संवाददाताओं की
आवश्यकता है।
सम्पर्क सूत्र
9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
Mridul Patrika
राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों
व समाचार पत्रों की
प्रिन्टिंग की जाती है
सम्पर्क सूत्र
9571039307
(भरत प्रिंटर्स एण्ड
सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 | वर्ष 16 | मूल्य 2.00 रुपए | अंक 206 | जयपुर, रविवार, 09 मार्च, 2025 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर-सीरी में एडवांस्ड वीएलएसआई डिजाइन पर उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम का समापन

देश में सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम मजबूत करने के प्रयास जरूरी: डॉ पी सी पंचारिया

पिलानी (बाबूलाल घोघलिया/मृदुल पत्रिका)। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम पर एडवांस्ड VLSI डिज़ाइन विषयक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 3 से 7 मार्च 2025 तक किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, चिपइन, सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला और एन्टुपल टेक्नोलॉजीज द्वारा तकनीकी रूप से समर्थित था। पाँच दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमें शिक्षाविदों और उद्योग के प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया और

प्रतिभागियों को व्याख्यानों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यक्रम में आईआईटी-एनआईआईटी सहित देशभर के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों और उद्योग जगत से 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें स्नातक छात्र, शोधार्थी और पेशेवर शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत सीएसआईआर-सीरी के पूर्व निदेशक डॉ चंद्रशेखर द्वारा सी-मॉस डिवाइसेज़ में प्रगति और भविष्य की चुनौतियों पर विचारशील चर्चा से हुई। आईआईटी दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर जी. एस. विश्वेश्वरन ने सी-मॉस वीएलएसआई डिज़ाइन पर विस्तृत ट्यूटोरियल आयोजित किए। वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष, डॉ. सत्य गुप्ता ने भारत में चिप डिज़ाइन के अवसरों और संभावनाओं पर जानकारी दी। एनालॉग डिज़ाइन विशेषज्ञ डॉ. अनुरूप मित्रा ने सी-मॉस एम्पलीफायर डिज़ाइन और स्टैंडर्ड पीडीके का उपयोग करके पैरामीटर ऑप्टिमाइज़ेशन पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण एनएक्सपी सेमीकंडक्टर्स के वरिष्ठ सुरक्षा आर्किटेक्ट, श्री अरुण जैन द्वारा वीएलएसआई सर्किट और सिस्टम में हार्डवेयर और सिस्टम सुरक्षा पर एक इंटरएक्टिव सत्र था। लेफ्टिनेंट

कर्नल मानस बाजपेई ने भारतीय सेना के लिए स्वदेशी VLSI चिप्स की आवश्यकता पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए की प्रोफेसर जया दोफे ने हार्डवेयर सुरक्षा और इससे जुड़ी चुनौतियों के महत्व पर चर्चा की। इसके अलावा, इंटेल के वरिष्ठ डिज़ाइन इंजीनियर, विजय कुमार ने सब-नैनोमीटर VLSI चिप्स में क्लॉकिंग रणनीतियों पर गहन ट्यूटोरियल प्रस्तुत किया। बिट्स-पिलानी के प्रोफेसर नीरज मिश्रा ने सी-मॉस ऑप्सीलेटर डिज़ाइन पर चर्चा की। इनके अलावा कैडेन्स के डॉ मनोज कुमार तिवारी; एमएनआईटी के डॉ मनीष कुमार; डिजिटल यूनिवर्सिटी, केरल के डॉ एलेक्स जेम्स; और एनसिस इंडिया के निदेशक डॉ अनंत नारायण ने भी अपने विशेषज्ञ व्याख्यानों से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। सभी वक्ताओं ने अभ्यास सत्र के दौरान वीएलएसआई डिज़ाइन प्रयोगशाला में अपने विषय पर सीरी के वैज्ञानिकों के साथ सत्रों का संचालन किया और प्रतिभागियों को विषय पर हैंड्स-ऑन जानकारी दी। समापन सीएसआईआर-सीरी के निदेशक, डॉ. पी. सी. पंचारिया की समापन टिप्पणी के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने VLSI डिज़ाइन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि देश में सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम मजबूत करने के लिए सघन प्रयास ज़रूरी हैं। साथ ही उन्होंने भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के नियमित आयोजन पर बल दिया। यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए एडवांस्ड VLSI डिज़ाइन और सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए आवश्यक जनशक्ति का कौशल विकास करना था, ताकि भारत चिप डिज़ाइन और फैब्रिकेशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सके।